

Риёзус солиҳийн / Риёзус солиҳийн / 503-ҳадис

56-Боб

Оч юриш, содда ҳаёт кечириш, ейиш, ичиш, кийиниш ва бундан бошқа нафс насибаларини озига қаноат қилиш ҳамда ва шағвоний нарсаларни тарк этиш хұсусида

ପ୍ରକାଶିତ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ଏବଂ ପାଠ୍ୟାବଳୀ} :ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ
ପାଠ୍ୟାବଳୀ * ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ
ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ
60-59- ପାଠ୍ୟାବଳୀ] {ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ ପାଠ୍ୟାବଳୀ}.

ପ୍ରକାଶିତ ମହାନ୍ତିର ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ ପଦାଳରେ } : ପଦାଳରେ
ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ
ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ * ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ
ଏହା] { ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ ଏହା ପଦାଳରେ
80-79-1.

{ } :
8 -].

ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପାଇଁ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ } : କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ .[18 - କାହାରେ] { କାହାରେ କାହାରେ
କାହାରେ }.

Аллоҳ таоло: «Сўнг уларнинг ортидан намозни зое қиладиган ва шаҳватларга бериладиган кимсалар ўринбосар бўлдилар. Энди у (ўринбосарлар) албатта, ёмонликка (яъни ёмон жазога) йўлиқурлар. Магар иймон келтириб яхши амаллар қилган зотларгина (азобга дучор қилинмаслар). Бас, улар жаннатга киурулар ва уларга бирон зулм қилинмас» (Марям сураси, 59-60-оятлар).

«Сүңг, (Қорун) қавми олдига ясан-тусан қилиб чиққан эди, ҳаёти-

дунёни истайдиган кимсалар: «Эҳ, қани эди бизлар учун ҳам Қорунга ато этилган молу-давлат бўлса эди. Дарҳақиқат, у улуғ насиба эгасидир», дедилар. Илм-маърифат ато этилган кишилар эса: «Ўлим бўлсин сизларга! Иймон келтирган ва яхши амал қилган киши учун Аллоҳ берадиган ажр-савоб яхшироқ-ку!», дедилар (Қассос сураси, 79-80-оятлар).

«Сўнгра ана ўша Кунда албатта, (ҳаёти-дунёда сизларга ато этилган барча) неъматлар тўғрисида масъул бўлурсизлар» (Такасур сураси, 8-оят).

«Ким нақд (дунё)ни кўзловчи бўлса, Биз (шу дунёда улардан) Ўзимиз истаган кимсалар учун Ўзимиз хоҳлаган нарсани нақд қилиб берурмиз. Сўнгра (яъни охиратда) у учун ўзи мазаммат ва қувғинга дучор бўлган ҳолда кирадиган жаҳаннамни жой қилиб берурмиз» (Исрo сураси, 18-оят), деб айтган.

503 - Ҳадис Ҳадиси Ҳадис :**Муҳаммад соллаллоҳу алайҳи васалламниң оиласи** 2970/22 [1] .**Муҳаммад соллаллоҳу алайҳи васалламниң оиласи** 2970/20 [5416] .

Муҳаммад соллаллоҳу алайҳи васалламниң оиласи у зот қабз қилингунларича икки кун кетма-кет арпа нонга тўймаган.

1. 503. Оиша розияллоҳу анҳодан ривоят қилинади:

«Муҳаммад соллаллоҳу алайҳи васалламниң оиласи у зот қабз қилингунларича икки кун кетма-кет арпа нонга тўймаган».

Муттрафақун алайҳ.

Бошқа бир ривоятда: **«Муҳаммад соллаллоҳу алайҳи васалламниң оиласи у зот Мадинага келганларидан то қабз қилингунларича уч кун кетма-кет буғдой таомига тўймаган»**, дейилган.

[1] Ҳадиси Ҳадис :**Муҳаммад соллаллоҳу алайҳи васалламниң оиласи** 2970/22 [1].

Манба: hadis.islom.uz



